पैर की हड्डी से नया जबड़ा बनाकर लगाए 13 दांत

एम्स भोपाल में अनोखी सर्जरी, ट्यूमर से कमजोर हो गया था जबड़ा

भोपाल, 6 सितंबर. एम्स भोपाल के डेंटल विभाग ने एक बेहद दुर्लभ और जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है. इस सर्जरी के तहत ट्यूमर के कारण काटना पड़ा निचला जबड़ा पैर की हड्डी से दोबारा बनाया गया और उसमें 13 दांत लगाए गए.

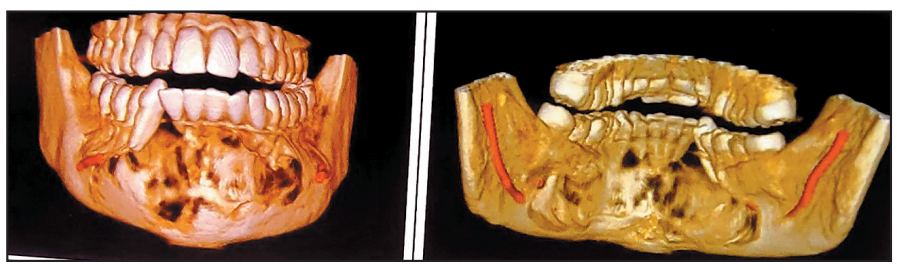

यह उपलब्धि न केवल मरीज के जीवन में नई खुशियाँ लेकर आई है, बल्कि चिकित्सा जगत में भी एक बड़ी कामयाबी मानी जा रही है. 24 वर्षीय एक युवती मुंह में सूजन और बार-बार मवाद बनने की समस्या लेकर एम्स भोपाल आई थी. जांच में पता चला कि उसे बिनाइन ओडोन्टोजेनिक ट्यूमर नामक बीमारी है. गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉ. अंशुल राय और उनकी टीम के डॉ. बाबूलाल, डॉ. ज़ेनिश, डॉ. सुदीप, डॉ. फरहान, डॉ. प्रधा और डॉ. दीपा ने सर्जरी करने का निर्णय लिया.

पहला चरण: पहले चरण में युवती के निचले जबड़े को काटकर ट्यूमर को पूरी तरह हटाया गया. ट्यूमर का आकार 12 सेंटीमीटर से अधिक था और उसके साथ 13 दांत भी निकालने पड़े. इस वजह से जबड़ा कमजोर हो गया और दांत भी नष्ट हो गए.

दूसरा चरण: जबड़ा और दांत निकल जाने के बाद युवती को भोजन करने में कठिनाई होने लगी, चेहरा विकृत हो गया और वह अवसाद से जूझने लगी. ऐसे में डॉ. अंशुल राय और उनकी टीम ने पैर की हड्डी (इलिएक क्रेस्ट) से नया जबड़ा बनाकर उसमें 9 डेंटल इम्प्लांट्स लगाए. इसके साथ ही, टीम ने मरीज को मानसिक रूप से मजबूत बनाने के लिए लगातार काउंसलिंग सेशन भी किए.

तीसरा चरण: लगभग 6 महीने बाद जब पैर की हड्डी निचले जबड़े से पूरी तरह जुड़ गई, तब तीसरे चरण में युवती के नए दांत लगाए गए. सर्जरी पूरी होने के बाद मरीज का चेहरा पहले जैसा हो गया, खाने-पीने की समस्या खत्म हो गई और उसका आत्मविश्वास लौट आया. अब वह सामान्य जीवन जी पा रही है और उसकी जीवन-गुणवत्ता पहले से कहीं बेहतर हो गई है.

> डॉ. अंशुल राय, जो पिछले 20 वर्षों से डेंटल इम्प्लांट्स और सर्जरी कर रहे हैं, उन्होंने बताया कि मध्य भारत में पहली बार 12 सेंटीमीटर का जबड़ा पैर की हड्डी से बनाकर 13 दांत लगाने का यह सफल मामला सामने आया है. इस अनोखे केस को इंटरनेशनल इम्प्लांट्स जर्नल में प्रकाशन के लिए भेजा गया है. डॉ. राय ने कहा कि सबसे बड़ी सफलता यह रही कि लंबे समय से अवसाद में रह रही युवती फिर से सामान्य जीवन की ओर लौटी और उसके चेहरे पर मुस्कान लौट आई.

आज रात लगेगा चंद्रग्रहण

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 6 सितंबर. आसमान में सात और आठ सितंबर की रात एक अनोखा नजारा दिखाई देगा. जब साल 2025 का दूसरा पूर्ण चंद्रग्रहण लगेगा. यह ग्रहण भारत सहित एशिया, यूरोप, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में नजर आएगा. खगोल विज्ञानियों के अनुसार यह घटना तीन घंटे से अधिक समय तक चलेगी. भारतीय परंपरा में ग्रहण का धार्मिक महत्व माना जाता है. ग्रहण से नौ घंटे पहले सूतक काल आरंभ हो जाता है. इस अवधि में पूजा पाठ और शुभ कार्य करने से परहेज किया जाता है. मंदिरों के द्वार बंद कर दिए जाते हैं, और ग्रहण समाप्त होने के बाद स्नान और शुद्धिकरण के पश्चात दोबारा खोले जाते हैं. मान्यताओं के अनुसार गर्भवती महिलाओं को ग्रहण के दौरान भोजन बनाने या धारदार वस्तुओं का प्रयोग करने से बचना चाहिए. भोजन में तुलसी के पत्ते डालकर रखना शुभ माना जाता है.

चंद्रग्रहण क्या है : जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है और अपनी छाया चंद्रमा पर डाल देती है तो चंद्रग्रहण होता है. पूर्ण चंद्रग्रहण की स्थिति में चंद्रमा पूरी तरह पृथ्वी की छाया में आ जाता है और लालिमा लिए दिखाई देता है. इसी कारण इसे ब्लड मून भी कहा जाता है.

ग्रहण का समय : पंडित सुरेन्द्र तिवारी ने बताया भारतीय समयानुसार ग्रहण सात सितंबर की रात 9 बजकर 57 मिनट पर शुरू होगा. रात 11 बजकर 13 मिनट से यह पूर्ण रूप में दिखेगा और आठ सितंबर की सुबह एक बजकर छब्बीस मिनट पर समाप्त होगा. इसकी कुल अवधि लगभग तीन घंटे अट्ठाईस मिनट रहेगी.

पहली बार 6 महिलाओं को अहम जिम्मेदारी

▶ भाजपा की जिला कार्यकारिणी घोषित

बैरसिया, 6 सितंबर. भारतीय जनता पार्टी ने भोपाल जिला ग्रामीण की कार्यकारिणी घोषित की है. भाजपा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से जिला ग्रामीण अध्यक्ष तीरथ सिंह मीणा ने विधायक रामेश्वर शर्मा एव विष्णुखत्री की अनुशंसा पर 20 पदाधिकारियों में पहली बार 6 महिलाओं को अहम जिम्मेदारी दी गई है.

इसी के साथ कुछ पूर्व जिला पदाधिकारियों को पुन: रिपीट किया है. वहीं कुछ की छुट्टी कर नए चेहरों को जिले की टीम में शामिल किया गया है. जिन 6 महिलाओं को भारतीय जनता पार्टी ने जिला पदाधिकारी की कमान सौंपी है. उनमें उपाध्यक्ष जया साहू, महामंत्री सावित्री मालवीय, मंत्री नीतू शर्मा, मंत्री रचना साहू पूर्व पार्षद, मंत्री रानी मेहर, सह कोषाध्यक्ष शानू नागर को बनाया गया है. इनके अलावा उपाध्यक्ष राजमल कुशवाह, दयाल सिह गुर्जर, नरेश शर्मा, हेमंत बिरथरिया, विजेंद्र परमार, पूरन सिंह पटेल, महामंत्री कुबेर सिंह गुर्जर, सत्यनारायण शर्मा मंत्री राजकुमार राजपूत, शादीलाल वर्मा, राज दांगी, रामबाबू मीणा, संजय पाल, कोषाध्यक्ष प्रमोद सिंह तोमर को बनाया गया है.

आज 241.33 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात देंगे मुख्यमंत्री

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 6 सितंबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 7 सितम्बर को मऊगंज को 241.33 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे. इसमें प्रमुख रूप से मऊगंज के संयुक्त जिला कार्यालय भवन का शिलान्यास शामिल है. मुख्यमंत्री 37 करोड़ 50 लाख रुपए के 16 विकास कार्यों का लोकार्पण और 203 करोड़ 83 लाख के 6 विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे. सीएम मऊगंज प्रवास के दौरान बहुती प्रपात का अवलोकन करेंगे और देवतालाब में स्थित शिव मंदिर में पूजा-अर्चना भी करेंगे. देवतालाब स्टेडियम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं में हितलाभ वितरण भी करेंगे.

सामाजिक समरसता और मानवता का शाश्वत संदेश

श्री नारायण गुरु की 171वीं जयंती

भोपाल, 6 सितंबर. भारत का सामाजिक इतिहास यदि आत्ममंथन की दृष्टि से देखा जाए तो 19वीं सदी गहरे अंधकार का युग प्रतीत होता है.

जातिगत भेदभाव, ऊंच-नीच, अस्पृश्यता और सामाजिक असमानताओं ने उस समय समाज को जकड़ रखा था. इन्हीं परिस्थितियों में केरल की पावन धरती पर जन्म हुआ एक ऐसे संत, दार्शनिक और समाज सुधारक का, जिन्होंने जीवनपर्यंत सामाजिक समरसता और मानवता की ज्योति जगाए रखी-वे थे श्री नारायण गुरु.

19वीं सदी का प्रकाशस्तंभ: श्री नारायण गुरु ने जातिगत भेदभाव से मुक्त समाज का स्वप्न देखा और

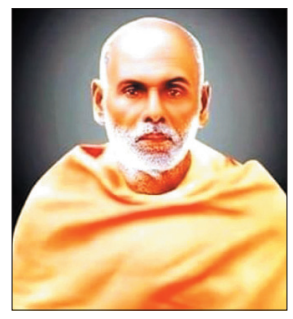

उसे व्यवहार में लाने के लिए जीवन समर्पित किया. उनका अमर संदेश था-

एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर - मानव के. उन्होंने शिक्षा को सामाजिक उत्थान की कुंजी और आत्मसम्मान को प्रगति का आधार माना. मंदिरों की स्थापना कर उन्होंने यह स्पष्ट किया कि ईश्वर किसी एक जाति या वर्ग का नहीं, बल्कि समस्त मानवता का है. यह उस दौर में क्रांतिकारी कदम था, जब समाज रूढ़ियों और कट्टरपंथ की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था.

अरुविप्पुरम शिवमंदिर की स्थापना (1888): उस समय दलित समुदाय के लोगों को मंदिर में प्रवेश तक की अनुमति नहीं थी. ऐसे में श्री नारायण गुरु ने स्वयं एक शिवलिंग की प्राणप्रतिष्ठा कर अरुविप्पुरम शिवमंदिर की स्थापना की. जब ब्राह्मण समाज ने इस पर सवाल उठाया, तो गुरु ने जवाब दिया- मैंने ब्राह्मण का शिव नहीं, जनता का शिव स्थापित किया है. प्रसंग भारतीय समाज में धार्मिक समानता और सामाजिक क्रांति का ऐतिहासिक क्षण माना जाता है.

कायमकुलम में अस्पृश्यता तोड़ने का अभियान : कायमकुलम कस्बे में एक बार लोगों ने निचली जाति की स्त्रियों को सार्वजनिक कुएँ से पानी भरने से रोका. श्री नारायण गुरु स्वयं वहाँ गए और उन स्त्रियों से कहा- जिस धरती और जल पर सबका अधिकार है, उसे किसी एक वर्ग की जागीर नहीं बनाया जा सकता.

> **स्वतंत्रता आंदोलन व 20वीं सदी पर प्रभाव**
>
> गुरुदेव के विचारों ने 20वीं सदी के भारत में नई चेतना जगाई. उनके संदेश से न केवल समाज सुधार आंदोलनों को गति मिली, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम को भी वैचारिक ऊर्जा प्राप्त हुई. महात्मा गांधी जैसे नेता भी श्री नारायण गुरु की शिक्षाओं से प्रेरित हुए. उन्होंने पिछड़े और वंचित वर्गों को शिक्षा, उद्योग और आत्मनिर्भरता की ओर उन्मुख किया. इस प्रकार उन्होंने समाज को आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की राह दिखाई.

बुंदेली धरोहर आज के समय में भी प्रेरणादायी : सीएम

नवभारत प्रतिनिधि

रवीन्द्र भवन में बुंदेली समागम 2025 का शुभारंभ

भोपाल, 6 सितम्बर. राजधानी के रवीन्द्र भवन में तीन दिवसीय बुंदेली समागम 2025 का शुभारंभ किया गया. कार्यक्रम के अफला दिन पूरी तरह से बुंदेली रंग में सराबोर रहा. जिसमें लोकगायन से लेकर कविताओं और नाट्य प्रस्तुति तक ने दर्शकों का मनमोह लिया. कार्यक्रम की शुरुआत बुंदेली आइडल प्रतियोगिता से हुई. जिसमें 380 से अधिक गायक और गायिकाओं ने भाग लिया. इसके चयन प्रक्रिया के बाद 32 प्रतिभागियों ने सेमीफाइनल राउंड

में अपनी प्रस्तुतियां दीं. निर्णायक मंडल में भजन गायक पवन तिवारी सुमित दुबे और गायक घनिष्ठ चौहान शामिल रहे.

इस वर्ष आयोजकों ने प्रथम और द्वितीय पुरस्कार के साथ आठ सांत्वना पुरस्कार की भी घोषणा की, जिनमें प्रत्येक विजेता को 5100 रुपये की सम्मान राशि दी गई. प्रतियोगिता के बाद बुंदेली क्रिएटर्स संवाद हुआ. जिसमें देशभर से आए सोशल मीडिया कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से लोगों को प्रभावित किया. इस अवसर पर मौजूद क्रिएटर्स ने समाज के हित में सकारात्मक कंटेंट बनाने का संकल्प भी लिया. संत दादा गुरु ने नर्मदा यात्रा प्रकृति संरक्षण और भारतीय संस्कृति की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किए. संध्या कार्यक्रम में मंत्री प्रहलाद पटेल, गोविंद सिंह, लखन पटेल सहित अंबिका जैन अम्बर भी मौजूद रही. जिसमें मोहन यादव ने बुंदेलखंड की वीरगाथाओं और सांस्कृतिक परंपराओं का स्मरण करते हुए कहा, कि यह समागम केवल आयोजन नहीं बल्कि हमारी जड़ों से जुड़ने का माध्यम है. उन्होंने आल्हा ऊदल जैसे वीर प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि बुंदेली धरोहर आज के समय में भी प्रेरणादायी है.

अस्पताल में महिला मरीज की मौत पर केस

भोपाल 6 सितंबर. एक अस्पताल के प्रबंधक के साथ ही डाक्टर और नर्स पर महिला मरीज की मौत के मामले में प्रकरण दर्ज किया है. जानकारी के अनुसार मृतका शालू यादव को उनके परिजन इलाज के लिए जिंदल अस्पताल लेकर पहुंचे थे. जहां प्रबंधन ने शालू को ठीक होने के लिए आपरेशन करने की बात परिजनों से कही. आपरेशन के दौरान शालू की मौत पर परिजन भड़क गए और प्रबंधक, डॉक्टर व नर्स के खिलाफ पुलिस में शिकायत कर दी.

रूनाहा में डोल ग्यारस पर हुई भजन संध्या

रूनाहा (बैरसिया), 6 सितंबर. ग्राम रूनाहा में डोल ग्यारस पर गेहलोत सेन परिवार ने धूमधाम से भगवान श्रीकृष्ण को विराजमान कर विमान निकाला.

इस दौरान भजन संख्या में भजन गायिका मुस्कान पटेल भोपाल ने शानदार भजनों की प्रस्तुति दी. साथ ही श्रद्धालुओं ने नृत्य किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रेम सेन ने बताया हर वर्ष की भांति इस वर्ष की डोली ग्यारस पर विमान रूनाहा ग्रामीण क्षेत्र में निकाला गया है. गांव में श्रद्धालुओं ने विमान की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया. इस दौरान विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया. इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा भोपाल जिला ग्रामीण अध्यक्ष तीरथ सिंह मीणा, बैरसिया सरपंच संघ अध्यक्ष समंदर सिंह गुर्जर भी शामिल हुए.

पार्वती नदी में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

रूनाहा सहित आसपास के गांव में निकलीं भव्य झांकियां

रूनाहा (बैरसिया). अनंत चतुर्दशी पर शनिवार को रूनाहा सहित आसपास के गांवों में गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के साथ भव्य झांकियां निकली. श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के बाद भजन-कीर्तन करते हुए गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया.

इसी के साथ गणेशोत्सव का समापन हुआ. विसर्जन के दौरान रूनाहा सहित आसपास के गांवों में भगवान गणेशी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा. रूनाहा बस स्टैंड और कोलूखेडी रोड पुरानी बस स्टैंड पर विराजी गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन पार्वती नदी पर किया गया.

दुकान में सामान की चोरी करने वाले धराए

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल. शाहजहांनाबाद पुलिस ने चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से एक लाख तक चोरी का मशरूका बरामद किया. जानकारी के अनुसार 3 सितंबर को फरियादी सजल जैन निवासी शाहजहांनाबाद ने अज्ञात आरोपी के विरूद्ध दुकान मे घुसकर फ्रूटी की पेटियां, अमूल घी का डिब्बा सहित गल्ले मे रखी 6 हजार नगदी के चोरी करने रिपोर्ट दर्ज कराई थी. पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी की राशिद अली निवासी कबीटपुरा ने चोरी की है. पहचान होने पर आरोपी की तलाश पतारशी की गई. जब आरोपी से पूछताछ की गई तो अपने साथी अभिषेक शर्मा निवासी कबीटपुरा के साथ मिलकर वारदात की बात स्वीकार की.

बैरसिया व फंदा ब्लॉक के किसानों की फसल डूबी

भोपाल. भोपाल जिला के बैरसिया एवं फंदा ब्लॉक की सैकड़ों ग्राम पंचायतों के गांव के किसानों की हजारों हेक्टर खेती में सोयाबीन एवं धान की फसल सम्राट अशोक सागर परियोजना हलाली डैम के लबालब भरने के कारण नष्ट हो गई है. ग्राम पंचायत कनेरा, भैंस खेड़ा, करोंद खुर्द, पिपरिया जुन्नारदार, बुदोर, छतरी, सील खेड़ा, कठुआ आदि गांव के सैकड़ो किसने की फसल नष्ट हो गई है. सूचना मिलते ही भोपाल जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट किसानों के बीच पहुंचे और खेतों में कमर कमर तक भरे हुए पानी में खड़े होकर फसल को दिखा. किसानों ने उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट को बताया कि हमारी खैर खबर लेने वाला कोई नहीं है हमारी फसल पानी भरने के कारण नष्ट हो गई है, हम बर्बाद हो गए हैं. हाथों में किसान उपाध्यक्ष

को अपनी फसल दिखाते हुए, पानी भराव का कारण हलाली डैम के गेट बंद होने है. जब तक गेट खुलेंगे तब तक हमारी फसल पूरी तरीके से नष्ट हो जाएगी.

किसानों की पीड़ा सुनते हुए उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने भोपाल कलेक्टर एवं एसडीएम बैरसिया हुजूर पटवारी आदि को मोबाइल से फोन कर सूचना दी एवं सर्वे कराकर किसानों की फसल का मुआवजा देने की मांग की. उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट को किसान अपने खेतों में कमर कमर तक भरे पानी ले जाकर फसल दिखाते हुए. कुछ किसानों के खेत में उपाध्यक्ष नाव में बैठकर पहुंचे.

अवैध शराब बेचते हुए पकड़ाए आरोपी

भोपाल. राजधानी में पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेंचने वाले आरोपियों पर कड़ा एक्शन लिया है. गिरनाल हिल्स अमरावत खुर्द में आरोपी कपिल उम्र 47 को 3 हजार रूपए की कीमत की अवैध शराब के साथ अवधपुरी थाना पुलिस ने पकड़ा है. 11 मील पेट्रोल पंप के पास आरोपी रवि मुगम 5 हजार से अधिक की कीमत की अवैध देशी शराब, विक्की पवार को औद्यौगिक क्षेत्र कटारा के ग्राम बकरौदा में 2 हजार की कीमत की अवैध देशी शराब के साथ पुलिस ने पकड़ा है.

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम अवनीत मारवाह (AVNEET MARWAHA) दर्ज है, जो कि गलत है। मेरा सही नाम अवनीत सिंह मारवाह (AVNEET SINGH MARWAHA) है। तथा भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जावेगा। निवासी 10, रेहान कॉलोनी, ईदगाह हिल्स, भोपाल

पर्यूषण पर्व का समापन | भगवान वासुपूज्य स्वामी का मोक्ष कल्याणक सम्पन्न

अनंत चतुर्दशी पर श्रीजी का किया गया कलशाभिषेक

भोपाल, 6 सितंबर. पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व की समापन बेला अनंत चतुर्दशी के अवसर पर भगवान महावीर दिगम्बर जैन मंदिर साकेत नगर में भगवान वासुपूज्य स्वामी जी के मोक्ष कल्याणक पर विशेष पूजन-अर्चन के साथ ही निर्वाण लाडू चढ़ाये.

श्रीजी का धूमधाम से कलशाभिषेक किया गया. हेमलता जैन 'रचना' ने बताया कि साकेत नगर महिला मंडल द्वारा इस अवसर पर खूबसूरत लाडू सजाये गए थे. शाम को संगीतमय महाआरती में सभी समाजजनों ने भक्तिनृत्य किया. सर्वार्थ सिद्धि की बालिकाओं के द्वारा लघु नाटिका हमारा आत्मार्थी परिवार की प्रस्तुति दी गई. मंच संचालन पारुल जैन ने किया. उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म पर अपने प्रवचनों में पण्डित अरविन्द जैन शास्त्री ने कहा कि देह के काम-वासना जनित क्षणिक सुख से परे, आत्मा के असीम आनंद की अवस्था का नाम ब्रह्मचर्य है. 'ब्रम्ह' शब्द परमात्मा का ही सूचक है. परमात्मा के ध्यान में डूबना ही ब्रह्मचर्य है. राग-द्वेष एवं काम-वासना पर विजय प्राप्त करके ही 'ब्रम्ह' की अनुभूति संभव है. आत्मा को पतन से बचाने के लिए और समाज को सुसंस्कारित करने में ब्रह्मचर्य धर्म की महत्वपूर्ण भूमिका है. सच्चे ब्रम्हचारी की दृष्टि अत्यंत पवित्र होती है. उसकी दृष्टि में सभी नारियाँ माता और बहिन के समान होती हैं.

पर्यूषण पर्व के समापन पर निकली शोभायात्रा

स्टेशन बजरिया महावीर जिनालय में शनिवार को आत्म शुद्धि के महापर्व दस लक्षण पर्व के समापन पर विधान हवन, पूजा,अनुष्ठान हुए अनंत चौदस पर ब्रह्मचर्य वासुपूज्य भगवान के मोक्ष कल्याण पर पूजा निर्वाण कांड पाठ पढ़कर लाडू समर्पित किये. अध्यक्ष राजीव पंचरत्न, प्रवक्ता नरेंद्र जैन द्वारा बताया गया दोपहर में श्री जी को पालकी में विराजमान कर शोभायात्रा 80 फीट होते हुए नाचते, गीत,गाते नृत्य करते हुए शोभा यात्रा मांगलिक भवन पहुंची, वहां पर श्री जी का अभिषेक शांति धारा के बाद धार्मिक अनुष्ठान के बाद समापन हुआ. महिला मंडल द्वारा 108 दीपक से भव्य आरती एवं डांडिया नृत्य धार्मिक नाटिका सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई. इस अवसर पर मांगलिक भवन में मनोज भैया शास्त्री ने प्रवचन में कहा कि ब्रह्मचर्य का अर्थ आत्मा से उसमें ही लीन हो जाना अर्थात रम जाना ही ब्रह्मचर्य का पालन करना है, जब आत्मा का स्वभाव अपने आप में ही रम जाता है इस रमणता से आनंद की अनुभूति होती है यह अलौकिक है इसके समक्ष तीन लोक की सपंदा वैभव आदि एवं राज्य का मूल्य ना के बराबर है ऐसी आत्मा तल्लीनता है जीव श्रेणी आरोहण में प्राप्त करता है.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, भागीदार, मेसर्स त्रिवेणी इंफ्रास्ट्रक्टर्स अपनी स्वेच्छा से फर्म से दिनांक 15/09/2025 को सेवानिवृत्त (रिटायर) हो रहे हैं। फर्म द्वारा नई भागीदारी डीड का पुनर्गठन (Reconstitution) कर दिनांक 15/09/2025 से श्री ऐश्वर्य अग्रवाल, पिता श्री संजय अग्रवाल, निवासी: हाउस नंबर 15, नैनागिरी गृह निर्माण समिति मर्यादित, भोपाल (म.प्र.), 462023, को फर्म का नया भागीदार बनाया जा रहा है।

अत: उपरोक्त तिथि से भागीदारी फर्म मेसर्स त्रिवेणी इंफ्रास्ट्रक्टर्स में श्रीमती आशा देवी अग्रवाल एवं श्री ऐश्वर्य अग्रवाल भागीदार के रूप में जाने जाएंगे। यदि किसी भी व्यक्ति को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह मेसर्स त्रिवेणी इंफ्रास्ट्रक्टर्स, E-7/60, अशोका सोसायटी, अरेरा कॉलोनी, भोपाल (म.प्र.), 462016 के पते पर लिखित रूप से 07 दिनों के भीतर सूचित करें।

मेसर्स त्रिवेणी इंफ्रास्ट्रक्टर्स

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, हुमेद खान (HUMED KHAN) आ. अब्दुल सईद खान (ABDUL SAEED KHAN), आयु-वयस्क, निवासी-49, नाई मंदिर गली, गिन्नौरी वॉटर टैंक, बुधवारा, हुजूर, भोपाल

मेरे पुत्र-हारून खान के पासपोर्ट में उसका नाम HAROON MOHAMMAD KHAN दर्ज है। मेरे पुत्र का नाम हारून खान (HAROON KHAN) है, जो कि उसके आधार कार्ड, जन्म प्रमाण-पत्र इत्यादि में दर्ज होकर सहीं एवं सत्य है। यह कि, मेरा पुत्र भविष्य में हारून खान (HAROON KHAN) के नाम से जाना व पहचाना जायेगा।